जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

JAWAB DO SARKAR ™

www.jawabdosarkar.com

रेफरेंस संख्या –2021/ak/06 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | गुरुवार, 9 सितम्बर 2021

अवैध खनन के विरुद्ध आमजन

भाग-1

राजनैतिक संरक्षण में पनप रहा राजस्थान में रॉयल्टी माफिया!!!

रॉयल्टी माफिया के काले कारनामो से राज्य सरकार,खान विभाग और जिला प्रशासन बना मूकदर्शक!!!

रॉयल्टी माफिया की रंगदारी से बीकानेर के ट्रक ऑपरेटरो में आक्रोश!!!!

बीकानेर की बीजीटी रॉयल्टी कंपनी की अवैध वसूली के विरुद्ध चल रहा कई दिनो से धरना!!

क्या है गुंडा पर्ची का रहस्य?

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

आखिर क्यूँ धरने पर बैठे है बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र मे स्थित लखासर टोल पर सैंकड़ों ट्रक ऑपरेटर?

बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र मे स्थित लखासर टोल प्लाज़ा के पास सड़क किनारे बड़ी संख्या मे ट्रक खड़े है|बड़ी संख्या मे ट्रक चालक वहाँ मौजूद है और धरना दे रहे है|यहां ट्रक चालक अवैध रॉयल्टी वसूली के खिलाफ धरना दे रहे है|ट्रक चालक रॉयल्टी ठेकेदार के खिलाफ अनियमितताओं का आरोप लगा रहे है|धरने पर बैठे यूनियन के राम नारायण गोधारा बताते है कि रॉयल्टी ठेकेदारों ने यहाँ लूट मचा रखी है|जिस ट्रक मे लदी बजरी की रॉयल्टी के 40 रुपए के हिसाब से 1800 रुपए बनते है उसके अवैध रूप से 5000 रुपए वसूले जाते है|जबकि पर्ची 500 रुपए की दी जाती है|यदि ट्रक चालक इसका विरोध करता है तो उसके साथ मारपीट की जाती है|यदि इसके बावजूद ट्रक चालक वहाँ से बच निकलता है तो उसके ट्रक को खान विभाग के अधिकारियों को सूचना देकर पकड़वा दिया जाता है,जहां उसे सीधे 280000 की सरकारी चपत लगती है और ट्रक पकड़ने पर खान विभाग अपने गाल भी बजा लेता है|श्री गोधारा के अनुसार इससे ट्रक चालकों पर दोहरी मार पड़ रही है जहां एक और रॉयल्टी माफिया की अवैध वसूली से ट्रक चालकों की जेबें हल्की हो रही है वहीं दूसरी और रॉयल्टी माफिया अपने चहेतों,रसुखदारों और बड़े खान मालिकों के ट्रकों से कोई वसूली नहीं करते है या ना के बराबर करते है जिससे वह बाजार मे अपनी बजरी कम दामों पर बेच देते है|इस दोहरी मार से ट्रक चालकों का कमा- खाना मुश्किल हो गया है|ट्रक चालकों के अनुसार रॉयल्टी वसूली की यह परिपाठी वैसे तो विगत 15 सालों से चल रही है लेकिन पूर्व के रोयल्टी ठेकेदार कम वसूली किया करते थे,लेकिन मौजूदा रॉयल्टी ठेकेदार को मिले राजनैतिक संरक्षण के चलते इसके वसूली गैंग ने इस बार जम कर लूट मचा रखी है|

खान विभाग ने रॉयल्टी ठेकेदार कंपनी डीजीटी रॉयल्टी को दे रखा है रॉयल्टी व अन्य मदों की वसूली का सरकारी ठेका|

आपको बता दें कि खान विभाग द्वारा बीकानेर जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा मे स्थित खनन पट्टों से निकलने वाले खनिज जैसे बजरी,ग्रेवल,कंकर,मुर्रम,बालक्ले,फायरक्ले,चाइना क्ले,रेड ओकर,बेलो ओकर,सिलिका सैंड एवं अन्य क्ले पर लगने वाली रॉयल्टी राशि,डीएमएफ़टी,आरएसएमईटी राशि के संग्रहण का ठेका कंपनी डीजीटी रॉयल्टी को दिया गया है|इस ठेके की अवधि पोने दो साल अर्थात 19/06/2021 से 31/03/2023 तक रखी गयी है|जिसके तहत कंपनी द्वारा खान विभाग को कुल 91,36,20,700/-(अधिशुल्क राशि 81,57,32,768/-डीएमएफ़टी राशि 8,15,73,277/-एवं आरएसएमईटी 1,63,14,655/-)के राजस्व का भुगतान किया जाना है|

बीकानेर जिले में बजरी के ठेकेदारों ने रॉयल्टी के नाम पर मचा रखी लूट, पढ़े पूरी खबर

बीकानेर जिले में बजरी के ठेकेदारों ने रॉयल्टी के नाम पर लूट मचा रखी है।

By: dinesh swami
Published: 13 Apr 2018, 11:24 AM IST Bikaner, Rajasthan, India

राजस्थान पत्रिका मे प्रकाशित खबर से साभार

बीकानेर . 'बीकानेर जिले में बजरी के ठेकेदारों ने रॉयल्टी के नाम पर लूट मचा रखी है। वे निर्धारित राशि से कई गुना राशि वसूल कर राज्य सरकार को चपत लगा रहे हैं। साथ ही आमजन की जेब भी काट रहे हैं। जिले की श्रीकोलायत तहसील, बीकानेर, नोखा, लूणकरनसर क्षेत्र में लम्बे अर्से से यह 'खेलÓ चल रहा है।'

श्रीकोलायत विधायक भंवर सिंह भाटी ने खान राज्यमंत्री सुरेन्द्र पाल ङ्कक्षसह टीटी से मिले और यह मुद्दा उनके सामने रखा। भाटी ने आरोप लगाया कि बजरी के रॉयल्टी ठेकेदार संबंधित विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से वाहन चालकों को डरा-धमकाकर मनमर्जी से रॉयल्टी वसूल रहे हैं। इससे बजरी की कीमतें भी बढ़ गई हैं।

विधायक भाटी ने कहा कि रॉयल्टी ठेकेदार वाहन चालक को स्वीकृत भार के अनुसार रॉयल्टी राशि की रसीद देते हैं, जबकि वाहन चालक से तीन-चार गुना अधिक राशि ठेकेदार के नाकेदार व कर्मचारी जबरन वसूल लेते हैं। भाटी ने कहा कि इस गोरखधंधे से राज्य सरकार को करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

इसलिए बढ़ी कीमतें

भाटी ने कहा कि बजरी ठेकेदारों के अधिक वसूली से बाजार में बजरी की कीमतें बढ़ गई हैं। सरकार और संबंधित विभाग के अधिकारियों की अनदेखी से आमआदमी की जेब कट रही है। श्रीकोलायत क्षेत्र में तो रॉयल्टी ठेकेदारों की मनमर्जी के चलते दहशत का माहौल है।

मंत्री को दिया ज्ञापन,कोई फायदा नहीं|

गत सप्ताह खान और गोपालन विभाग के मंत्री श्री प्रमोद जैन भाया बीकानेर के दौरे पर थे,संघर्ष समिति के लोगो ने उनका लखासर टोल पर घेराव कर अपना ज्ञापन दिया|लेकिन जैसा कि होता आया है मंत्री का आश्वासन केवल आश्वासन ही रह गया और रॉयल्टी ठेकेदार की लूट बदस्तूर जारी है|

क्या कहा था तत्कालीन विधायक भँवर सिंह भाटी ने तीन साल पहले?

करीब तीन साल पहले श्रीकोलायत विधायक श्री भँवर सिंह भाटी ने तत्कालीन सरकार पर हल्ला बोलते हुए इन रॉयल्टी ठेकेदारों की लूट के खिलाफ आवाज उठाई थी,लेकिन उनकी सरकार आते ही उनके सुर बदल गए,उनकी सरकार मे यह लूट खत्म होने की बजाय कई गुना और बढ़ गयी|

पुलिस प्रशासन का हाथ रॉयल्टी ठेकेदार के साथ|

इस पूरे मामले मे स्थानीय पुलिस प्रशासन लगातार मूक दर्शक बना बैठा है|ऐसा नहीं है कि जिले मे हो रही लूट से वह बेखबर है|परंतु राजनैतिक रसूखो और पैसे की चमक के आगे वह इस मामले मे कोई कार्यवाही करने से बच रहा है|स्थानीय पुलिस प्रशासन के एक आला अधिकारी द्वारा तो आंदोलनकारियों को यह तक कह दिया कि पानी मे रह कर इन मगरमच्छों से क्यूँ बैर मौल ले रहे हो,किसान हो दूध,सब्जी बेचो और ट्रक चलाओ,नहीं तो इन ट्रकों का लोहा,लक्कड़ यही गल जाएगा|

बजरी के नाम पर सिलिका की वसूल रहे रॉयल्टी

स्थानीय खान मालिक द्वारा नाम नहीं छापने पर इस बात का खुलासा किया कि रॉयल्टी कंपनी के आदमी ट्रकों मे लदी बजरी को सिलिका मानकर रॉयल्टी काट रहे है|बजरी की रॉयल्टी जहां 40 रुपए प्रति टन है वहीं सिलिका की रॉयल्टी 90 रुपए प्रति टन है|जिससे उन्हे दुगुनी राशि का भुगतान करना पड़ रहा है|

आखिर क्या है गुंडा पर्ची का रहस्य?

कंपनी ने हर उस खान पर जहां से माल निकलता है अपने आदमी बैठा रखे है यह आदमी माल के ओवरलोडिंग,माल की किस्म के अनुसार दो प्रकार की पर्ची देते है,जिनमे से एक पर्ची तो रॉयल्टी की होती है जबकि दूसरी पर्ची दो नंबर की होती है|इस दो नंबर की पर्ची को ही ट्रक ओपरेटरों ने गुंडा पर्ची नाम दिया है|ट्रक ओपरेटरों के अनुसार इस गुंडा पर्ची का कोई अस्तित्व नहीं है|बीकानेर मे तो इस पर्ची को दिखाने पर रोका नहीं जाता लेकिन बीकानेर से बाहर निकलते ही अन्य ठेकेदारों और सरकारी कर्मचारियों द्वारा लूट-खसोट शुरू कर दी जाती है|

कंपनी द्वारा दी जाने वाली गुंडा पर्चियाँ

जवाब मांगते सवाल?

1. आखिर कौन है पर्दे के पीछे इस रॉयल्टी कंपनी के मुख्य कर्ता-धर्ता,जिनकी शह पर कंपनी ने लूट मचा रखी है?
2. क्या है इस रॉयल्टी ठेके की सरकारी शर्ते?क्या कंपनी उन शर्तों का उल्लंघन तो नहीं कर रही है?
3. यदि 91 करोड़ रॉयल्टी ठेका कंपनी को सरकार को देने है तो कंपनी इस दिन दहाड़े हो रही वसूली से कितना कमाएगी?
4. कंपनी द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों को खुश करने के लिए कितनी रिश्वत बाँटी जा रही है?
5. कंपनी द्वारा ट्रक ओपरेटरों से जो वसूली की जा रही है,वह रकम काले धन के रूप मे किसकी जेब मे जा रही है?
6. आखिर पिछली सरकार जो विधायक,राजनेता इस लूट का विरोध कर रहे थे वो अपनी सरकार आने के बाद इस लूट का विरोध क्यूँ नहीं कर रहे है?
7. आखिर क्यूँ पुलिस प्रशासन गुंडागर्दी करने वाले कंपनी के आदमियों के विरुद्ध मामले दर्ज नहीं कर रहा?
8. आखिर क्यूँ कंपनी बजरी को सिलिका बताकर ज्यादा रॉयल्टी की अवैध वसूली कर रही है?

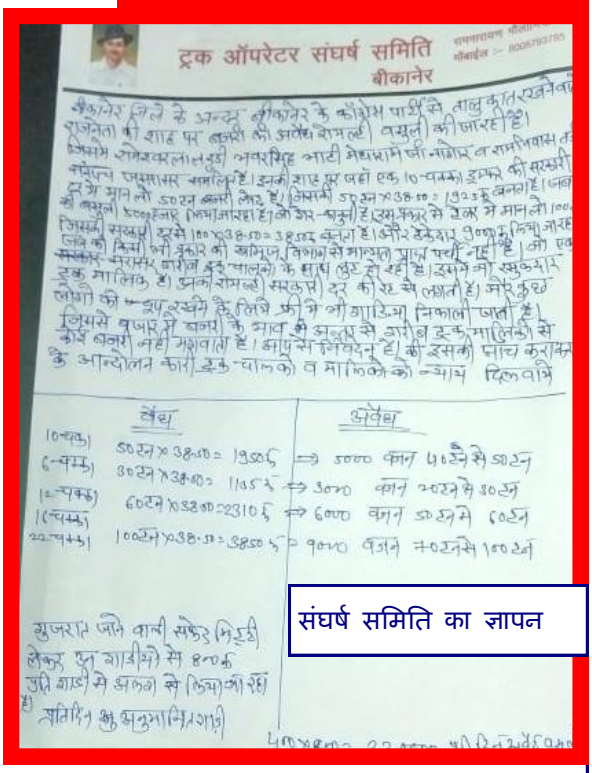

संघर्ष समिति का ज्ञापन

9. क्या सरकार और पुलिस प्रशासन संघर्ष समिति की जायज मांगो को मानते हुए,बजरी की खान विभाग से मान्यता प्राप्त रसीद देने की प्रक्रिया शुरू करेगी?जिससे खान विभाग के अधिकारी बजरी परिवहन करने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं करें?
10. अंडरलोड और ओवरलोड की समस्या को खत्म करने का क्या पारदर्शी तरीका है?
11. यदि वाकई कंपनी द्वारा खान मालिको और ट्रक ओपरेटरों से अवैध वसूली की जा रही है तो खान विभाग इस मामले की निष्पक्ष जांच करवा कर कंपनी को ब्लेकलिस्टेड क्यूँ नहीं किया जा रहा?